पाठ- योजना
प्रथम सत्रिसत्र
बी० ए - प्रथम वर्ष

जुलाई अन्तिम सप्ताह :- हितोपदेश का सामान्य परिचय व मित्रलाभ भेद में हुई सामान्य घटनाओं की जानकारी व कथाओं का वाचन ।

अगस्त प्रथम सप्ताह :- गद्यांशों व श्लोकों की प्रसंग - सहित व्याख्या ।

अगस्त द्वितीय सप्ताह : गद्यांशो व श्लोकों का सारसहित पाठन ।

अगस्त तृतीय सप्ताह: निर्धारित पाठ्यांश का भावसहित पाठन ।

अगस्त चतुर्थ सप्ताह: - 'मित्रलाभ' भाग की पाठन - समाप्ति व पुनरावृति व शंका समाधान ।

सितंबर प्रथम सप्ताह : नीति शतक का सामान्य परिचय व संबंधित आलोचनात्मक प्रश्नों का विवरण व भर्तृहरि के जीवन व रचनाओं का सामान्य परिचय ।

द्वितीय सप्ताह : सूक्तियों व श्लोकों की व्याख्या 1 - 12 तक ।

तृतीय सप्ताह: सूक्तियों व श्लोकों का भावसहित पाठन संख्या - 13 से 40 तक

चतुर्थ सप्ताह श्लोक संख्या 41 - 50 श्लोकों का पाठन । शंका समाधान । पुनरावृति

अक्तूबर प्रथम सप्ताह :- नीतिशतक / श्रीमद् भगवद्गीता के 2 श्लोकों (हिन्दी सहित) कण्ठस्थ करण (न्यूनतम 2, अधिकतम 5)

द्वितीय सप्ताह :- सन्धि का सामान्य परिचय व भेदों पर परिचर्चा। स्वर सन्धि के भेदों पर चर्चा।

तृतीय सप्ताह :- स्वर सन्धि का उदाहरण सहित सम्पूर्ण पाठन।

चतुर्थ सप्ताह :- व्यंजन सन्धि का उदाहरण सहित संपूर्ण पाठन।

नवंबर प्रथम सप्ताह :- विसर्ग सन्धि का उदाहरण सहित संपूर्ण पाठन।

द्वितीय सप्ताह :- राम, कवि, भानु, पितृ, लता विद्वान, अस्मद्, युष्मद्, राजन, तद् शब्दरूप।

तृतीय सप्ताह : भू, हस्, पठ्, नम्, गम्, अस् हन्, कृ, नी, याच्, दृश्, वच (केवल पाँच लकारों में)

परीक्षा प्रारंभ

Mamta
संस्कृत विभागाध्यक्ष

प्रथम सेमेस्टर

AEC

पाठ - योजना।

जुलाई। अगस्त :- प्रत्याहार सूत्र एवं वर्णों का उच्चारण स्थान

सितंबर

राम, बालक, लता, मति, गुरु, ज्ञान, अस्मद् युष्मद्, तद्, किम्, इदम् शब्दरूपों का कण्ठस्थीकरण।

अक्तूबर

भू, पठ्, लिख, चल्, गम, हस, वद, अस्, दृश, पच् (केवल पाँच लकारों में)

नवंबर

पञ्चवाक्यात्मक संक्षिप्त टिप्पणी

विद्या, सत्यम्, परोपकार:, आदर्शगुरु:, छात्राणाम् कर्त्तव्यम्।

Mamta
संस्कृत विभागाध्यक्षा

पाठ-योजना
तृतीय समिस्टर
बी० ए० प्रथम वर्ष
द्वितीय

1) जुलाई अन्तिम सप्ताह :- युधिष्ठिर-यक्ष संवाद परिचय।

2) प्रथम सप्ताह :- अगस्त — युधिष्ठिर यक्ष संवाद आलोचनात्मक प्रश्न परिचर्चा।

3. द्वितीय सप्ताह :- श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या।

4. तृतीय सप्ताह :- श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या।

5. चतुर्थ सप्ताह :- श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या एवं समाप्ति।

6. सितंबर प्रथम सप्ताह :- अयोध्याकाण्ड शतम सर्ग विषय-वस्तु परिचय।

द्वितीय सप्ताह :- श्लोकों का भावसहित पाठन

तृतीय सप्ताह - श्लोकों का भावसहित पाठन

चतुर्थ सप्ताह - अयोध्याकाण्ड समाप्ति व संबंधित विषय-वस्तु की प्रश्न-चर्चा

7. अक्तूबर प्रथम-सप्ताह — समासों का परिचय व अव्ययीभाव संबंधित नियमों व उदाहरणों का परिचय।

द्वितीय सप्ताह:- तत्पुरुष समास का सामान्य परिचय भेदों सहित व्याख्या। उदाहरणों की विशेष व्याख्या।

तृतीय सप्ताह:- द्वन्द्व व बहुव्रीहि समास।

चतुर्थ सप्ताह - कृदन्त प्रत्ययों की उदाहरण सहित व्याख्या।
क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु शतृ, शानच्, तव्य, अनीयर्।

नवंबर प्रथम सप्ताह:- प्रत्याहार सूत्र व प्रत्ययों का निर्माण।

द्वितीय सप्ताह:- संख्यावाची शब्द (1-100) संस्कृत माध्यम से

तृतीय सप्ताह - पुनरावृत्ति एवं शंका समाधान

चतुर्थ सप्ताह - परीक्षा प्रारंभ

Namb

संस्कृत विभागाध्यक्ष

पाठ योजना
तृतीय सत्र
विषय: AEC

जुलाई - 23 से 27 → सन्धि परिचय एवं भेद परिचय।

अगस्त :- भेद सहित सन्धि एवं सन्धि विच्छेद

सितम्बर :- एक से 100 तक संख्यावाची शब्द एवं शब्दों का संस्कृत रूप।

अक्तूबर :- ध्येयवाक्य
राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों के ध्येयवाक्य।

नवंबर - फल एवं सब्जियों के संस्कृत नाम।

Mamta
संस्कृत विभागाध्यक्षा

पाठ-योजना

पंचम समिसत्र

वैदिक साहित्य परिचय:

नाटकम् एवं व्याकरणम्

जुलाई → "अभिज्ञान शाकुन्तलम्" प्रथम अंक व्याख्या।

अगस्त :→ "अभिज्ञान" व्याख्या द्वितीय से-चतुर्थ अंक। अंकसार एवं प्रश्नोत्तरी।

सितंबर :→ कालिदास:- जीवन परिचय:, काल विवेचन, काव्यशैली, नाट्यशैली। आलोचनात्मक प्रश्न एवं टिप्पणी।

अक्तूबर :- लघुसिद्धान्तकौमुदी एवं अलंकार।

(क) विभक्त्यर्थप्रकरण → सूत्रव्याख्या, अशुद्धि-संशोधन, वाक्यरचना

(ख) अलंकार - अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा इत्यादि।

नवंबर :- वैदिक साहित्य का इतिहास एवं पुनरावृति कार्य. परीक्षा पर्यन्तम्।

Mamta

संस्कृत विभागाध्यक्षा